



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.10.26	4	1-4

समझौता • एचएयू ने शक्ति वर्धक कंपनी के साथ किया एमओयू, किसानों तक पहुंचेंगे उन्नत बीज एचएयू की पहली सरसों हाइब्रिड किस्म आरएचएच-2101 देगी 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन, इसमें 40% तक तेल

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की पहली हाइब्रिड आरएचएच 2101 के बीजों के उत्पादन एवं वितरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, हिसार के साथ समझौता किया गया है। इससे एचएयू द्वारा विकसित उन्नत किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीजों का बड़े स्तर पर उत्पादन एवं वितरण संभव हो सकेगा। वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचेगा।

एमओयू पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कंपनी के आर एंड डी डिवीजन के प्रमुख डॉ. राज बहादुर तथा एचएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग



हिसार | सरसों की हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के एमओयू का आदान प्रदान करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व शक्ति सीड्स के सदस्य।

ने हस्ताक्षर किए। शक्ति वर्धक कंपनी की तरफ से डॉ. राज बहादुर ने बताया कि जल्द सरसों के बीज का उत्पादन आरंभ किया जाएगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दीगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि कॉलेज के डीन डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रामअवतार, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आरएचएच 2101 की खासियत, 142 दिन में फसल पककर होती है तैयार

एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि आरएचएच 2101 विश्वविद्यालय द्वारा विकसित पहली हाइब्रिड किस्म है। यह लगभग 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है तथा इसकी उपज क्षमता 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है। इस किस्म में शाखाओं की संख्या अधिक होती है और प्रति फली दानों की संख्या भी अपेक्षाकृत अधिक होती है, जिससे इसकी उत्पादन क्षमता बेहतर होती है। इसके दाने मध्यम आकार के होते हैं तथा इनमें लगभग 40 प्रतिशत तेल अंश पाया जाता है।

भास्कर एक्सपर्ट

डॉ. आरके पानू, पूर्व डीन, एग्रीकल्चर कॉलेज, एचएयू

31 तक सरसों बिजाई का उपयुक्त समय

31 अक्टूबर तक बिजाई का उपयुक्त समय सरसों बिजाई के लिए उपयुक्त समय अभी चल रहा है। अक्टूबर माह का दूसरा पखवाड़ा यानी 31 अक्टूबर तक अभी सरसों बिजाई के लिए बिल्कुल उपयुक्त समय है। इसके बाद भी 10 नवंबर तक पछेती सरसों की बिजाई की जा सकती है। पछेती बिजाई में बीमारियां ज्यादा होने का खतरा रहता है। जिसमें सफेद रतुआ, चेपा का प्रकोप बढ़ने के अलावा उत्पादन में भी कुछ कमी आ सकती है। इसलिए किसानों के लिए यह जरूरी है कि समय पर सरसों की बिजाई पूरी कर लें।

■ सरसों की हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के बीज उत्पादन एवं वितरण के लिए निजी कंपनी के साथ एमओयू किया है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल उन्नत कृषि तकनीकों और बेहतर किस्मों के बीजों का विकास करना ही नहीं, बल्कि अनुसंधान के परिणामों को किसानों तक पहुंचाकर कृषि उत्पादन एवं उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना भी है। प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

अजित समाचार

20.10.26

6

1-3

उन्नत बीजों से बढ़ेगा कृषि उत्पादन व किसानों की आय : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हफ्ता की सरसों हाइब्रिड आरएचएच 2101 के बीज उत्पादन व वितरण के लिए समझौता

हिसार, 19 अक्टूबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह बड़े स्तर पर उत्पादन एवं वितरण संभव हो सकेगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीजों की मांग लगातार बढ़ रही है। किसानों तक



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कम्पनी के प्रतिनिधि व अधिकारी।

समझौते पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कंपनी के आर

विश्वविद्यालय की नवीन कृषि तकनीकों एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में विश्वविद्यालय निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ निरंतर सहयोग बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की पहली हाइब्रिड आरएचएच 2101 के बीजों के उत्पादन एवं वितरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, हिसार के साथ समझौता किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल उन्नत कृषि तकनीकों और बेहतर किस्मों के बीजों का विकास करना ही नहीं, बल्कि अनुसंधान के परिणामों को किसानों तक पहुंचाकर कृषि उत्पादन एवं उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ किए जा रहे समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनसे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीजों का

एंड डी डिवीजन के प्रमुख डॉ. राज बहादुर तथा विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि आरएचएच 2101 विश्वविद्यालय द्वारा विकसित पहली हाइब्रिड किस्म है। यह लगभग 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है तथा इसकी उपज क्षमता 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है। इस किस्म में शाखाओं की संख्या अधिक होती है और प्रति फली दानों की संख्या भी अपेक्षाकृत अधिक होती है, जिससे इसकी उत्पादन क्षमता बेहतर होती है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दीगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रामअवतार, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	20.10.26	12	3-6

खेती किरानी

सरसों की हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 से बढ़ेगी उत्पादन की उम्मीद

142 दिन में पककर तैयार होगी सरसों की किस्म प्रति हेक्टेयर 28 से 30 क्विंटल तक उपज क्षमता

■ बीज उत्पादन के लिए हकूवि का
कंपनी से समझौता

हरिभूमि न्यूज ► हिसार

सरसों की खेती में उत्पादन बढ़ाने और किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध करवाने की दिशा में यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय ने अपनी ओर से विकसित सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के बीजों के उत्पादन और वितरण के लिए हिसार की शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ



हिसार। समझौते के दौरान कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी प्रतिनिधि और विश्वविद्यालय के अधिकारी।

फोटो: हरिभूमि

समझौता किया है। इस पहल से विश्वविद्यालय की उन्नत किस्म के बीजों का बड़े स्तर पर उत्पादन करने और किसानों तक उनकी उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

बीआर काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर कंपनी के अनुसंधान एवं विकास प्रभाग के प्रमुख डॉ. राज बहादुर और विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर

किए। समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान को व्यावहारिक खेती से जोड़ना और विकसित किस्म के गुणवत्तापूर्ण बीज अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाना है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रामअवतार, डॉ. वीरेंद्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग सहित कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20/10/26	3	7-8

सरसों हाइब्रिड आरएचएच 2101 के बीज उत्पादन के लिए समझौता

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने सरसों की अपनी पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के बीज उत्पादन और वितरण के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स कंपनी के साथ 19 अक्टूबर को समझौता किया। इसका उद्देश्य किसानों तक विश्वविद्यालय की नवीन कृषि तकनीकों और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की पहुंच सुनिश्चित करना है।

**एचएयू को शक्ति वर्धक
हाइब्रिड सीड्स कंपनी के
साथ हुआ करार**

कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य उन्नत कृषि तकनीकों और बेहतर किस्मों के बीज विकसित करने के साथ अनुसंधान के परिणाम किसानों तक पहुंचाना भी है ताकि कृषि उत्पादन और उनकी आय में वृद्धि हो सके।

कुलपति की उपस्थिति में हुए समझौते पर कंपनी के आरएचडी डिवीजन के प्रमुख डॉ. राज बहादुर और विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि ऐसे समझौतों से कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा और हरियाणा कृषि नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20-10-26	4	7-8

सरसों की उन्नत बीजों से बढ़ेगी किसानों की आय : काम्बोज



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी के प्रतिनिधि व अधिकारी।

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीजों की मांग लगातार बढ़ रही है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की पहली हाइब्रिड आरएचएच 2101 के

बीजों के उत्पादन एवं वितरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, हिसार के साथ समझौता किया गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि कृषि तकनीक को उन्नत बनाना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब केसरी	20-10-26	4	7-8

**उन्नत बीजों से बढ़ेगा कृषि उत्पादन
व किसानों की आय: प्रो. काम्बोज**

हिसार, 19
अक्टूबर (ब्यूरो):
चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय द्वारा
विकसित सरसों की
पहली हाइब्रिड
आरएचएच 2101 के बीजों के उत्पादन एवं वितरण को बढ़ावा देने के
लिए एक कंपनी के साथ समझौता किया गया है। विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य
केवल उन्नत कृषि तकनीकों और बेहतर किस्मों के बीजों का विकास
करना ही नहीं, बल्कि अनुसंधान के परिणामों को किसानों तक पहुंचाकर
कृषि उत्पादन एवं उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना भी है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ
कंपनी प्रतिनिधि व अधिकारी





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	20.10.26	-----	----

उन्नत बीजों से बढ़ेगा कृषि उत्पादन और किसानों की आय : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 20 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) ने अपनी विकसित सरसों की पहली हाइब्रिड किस्म आरएचएच 2101 के बीजों के उत्पादन और वितरण के लिए शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, हिसार के साथ समझौता किया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य उन्नत बीजों और कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाकर उत्पादन व आय बढ़ाना है। निजी कंपनियों के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण बीजों का बड़े स्तर पर उत्पादन और वितरण संभव होगा, जिससे किसानों को अनुसंधान का लाभ मिल सकेगा।



कुलपति की उपस्थिति में कंपनी के आरएंडडी प्रमुख डॉ. राज बहादुर और विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

142 दिन में पककर तैयार होगी किस्म

डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि आरएचएच 2101 लगभग 142 दिन में पककर तैयार होती है और इसकी उपज क्षमता 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इसमें शाखाओं और प्रति फली दानों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक होती है तथा दानों में लगभग 40 प्रतिशत

तेल अंश पाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से उन्नत बीजों की उपलब्धता बढ़ेगी और कृषि अनुसंधान तथा खेती के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रामअवतार, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी और कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	19.10.26	-----	----

हकृवि की सरसों हाइब्रिड आरएचएच 2101 के बीज उत्पादन व वितरण के लिए समझौता

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीजों की मांग लगातार बढ़ रही है। किसानों तक विश्वविद्यालय की नवीन कृषि तकनीकों एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में विश्वविद्यालय निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ निरंतर सहयोग बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की पहली हाइब्रिड आरएचएच 2101 के बीजों के उत्पादन एवं वितरण को बढ़ावा देने के लिए शक्ति वर्षक हाइब्रिड सोल्स प्राइवेट लिमिटेड, हिसार के साथ समझौता किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल उन्नत कृषि तकनीकों और बेहतर किस्मों के बीजों का विकास करना ही नहीं, बल्कि अनुसंधान के परिणामों को किसानों तक पहुंचाकर कृषि उत्पादन एवं उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ किए जा रहे समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनसे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों के गुणवत्तापूर्ण बीजों का बड़े स्तर पर उत्पादन एवं वितरण संभव हो सकेगा।



साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचेगा, कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा और हरियाणा कृषि नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

कुलपति की उपस्थिति में हुआ समझौता

समझौते पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में शक्ति वर्षक हाइब्रिड सोल्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कंपनी के अवर एंड हो डिब्रीजन के

प्रमुख डॉ. राज बहादुर तथा विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।

आरएचएच 2101 की खासियत
अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्ग ने बताया कि आरएचएच 2101 विश्वविद्यालय द्वारा विकसित पहली हाइब्रिड किस्म है। यह लगभग 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है तथा इसकी उपज क्षमता 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है। इस किस्म में शाखाओं

की संख्या अधिक होती है और प्रति फली दानों की संख्या भी अपेक्षाकृत अधिक होती है, जिससे इसकी उत्पादन क्षमता बेहतर होती है। इसके दाने मध्यम आकार के होते हैं तथा इनमें लगभग 40 प्रतिशत तेल अंश पाया जाता है। इस प्रकार के समझौतों से विश्वविद्यालय की उन्नत किस्मों के बीजों का व्यापक स्तर पर उत्पादन और किसानों तक उनकी उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे कृषि अनुसंधान और व्यावहारिक खेती के

बीज बेहतर तालमेल स्थापित होगा तथा किसानों की नवीन कृषि तकनीकों एवं उन्नत बीजों का लाभ मिल सकेगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल खंडगु, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अभिष्टता डॉ. रमेश सोयल, डॉ. एसके पाहुजा, सीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. रामअकातर, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जितल, डॉ. जितेन्द्र भारिया, डॉ. अनुराग व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समय के दृष्टि	19.10.26	-----	-----

एचएयू की हाइब्रिड सरसों आरएचएच 2101 के बीज उत्पादन के लिए हुआ समझौता

- 142 दिन में पककर तैयार होती है किस्म, प्रति हेक्टेयर 28 से 30 क्विंटल तक उपज क्षमता

हिसार, 19 अक्टूबर (सच कहें/ मांगे लाल)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की ओर से विकसित पहली हाइब्रिड सरसों किस्म आरएचएच 2101 के बीजों का उत्पादन और वितरण बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय ने शक्ति वर्धक हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, हिसार के साथ समझौता किया है। इससे किसानों तक इस उन्नत किस्म के गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में हुए समझौते पर कंपनी के अनुसंधान एवं विकास प्रभाग के प्रमुख डॉ. राज बहादुर और विश्वविद्यालय



के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि आरएचएच 2101 लगभग 142 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसकी उपज क्षमता 28 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

इसमें शाखाओं की संख्या अधिक होती है और प्रति फली दानों की संख्या भी अपेक्षाकृत ज्यादा होती है। इसके दाने मध्यम आकार के होते हैं तथा इनमें

लगभग 40 प्रतिशत तेल अंश पाया जाता है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य कृषि अनुसंधान के परिणामों को किसानों तक पहुंचाकर उत्पादन और आय बढ़ाने में मदद करना है। निजी कंपनियों के सहयोग से उन्नत किस्मों के बीजों का बड़े स्तर पर उत्पादन और वितरण संभव होगा। इससे किसानों को नवीन कृषि तकनीकों और बेहतर बीजों का लाभ मिल सकेगा।